विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग दशम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:-३/०१/२०२१ (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

श्लोक

विद्वांस एव लोकेऽस्मिन् चक्षुष्मन्त प्रकीर्तिता:।

अन्येषां वदने ये तु ते चक्षुनामनी मते।।

शब्दार्था:

चक्षुष्मन्त: - आंखों वाले , मते - विचार में

प्रकीर्तिता: -कहे गए हैं, वदने – चेहरे पर

अन्वय

अस्मिन् संसारे विद्वांस: एव चक्षुष्मन्त: प्रकीर्तिता: ।

अन्येषां वदने ये (चक्षुषी) ते तु चक्षुनामनी मते ।

अर्थ

इस संसार में विद्वान लोग ही वास्तव में आंखों वाले कहे गए है।

दूसरों के (मूर्खों के) पर जो आंखें हैं ,वे तो केवल नाम की ही आंखें हैं।